

A SESSION WITH DR. JOSEPH EMMANUEL

Bhopal Sahodaya Complex in collaboration with CBSE organized an online session with **Dr. Joseph Emmanuel, Director (Academics), CBSE** on the topic '**Remodeled Syllabus/ Curriculum and Special Scheme of Assessment for Classes IX to XII**' on 25th August 2021 at 3:30 p.m. for the educators of Bhopal through the zoom meeting platform. The Principals and teachers of more than 100 schools of BSC became part of it.

The session began by invoking God's blessings followed by the welcome address by Mr. Sojan Joseph, Secretary, Bhopal Sahodaya Complex who welcomed the eminent resource person, Dr. Joseph Emmanuel and all the dignitaries and participants. He shed some light on the purpose of the session and significance of concept based knowledge and learning in order to enhance creativity and practicality among children.

To begin with, Dr. Joseph Emmanuel appreciated all the school leaders for their valuable support and dedicated efforts to meet the challenges of education during the Covid-19 pandemic. He stated that the National Education Policy 2020 has given a new dimension to the school education sector. The focus has shifted from expansion of education to building competencies and caliber in the learners. The focus has now changed from quantity to quality.

With these qualitative changes, the CBSE board has come up with changes in assessment patterns which were elaborated by the prolific resource person through a power point presentation. He mentioned that the prime focus of CBSE is to lay down educational standards, equipping students with the 21st century skills, bringing reforms in examinations and evaluation practices and innovations in teaching-learning methodologies by devising student centered paradigms.

Speaking about the Curricular and Pedagogical Reforms envisioned by the board in implementing the NEP 2020, the board has already adopted the following:

- Mandatory Adoption of Learning Outcomes and their mapping with the curriculum
- Principals as Pedagogical Leaders and Preparation of Annual Pedagogical Plans
- Introduction of two level of Mathematics will be subsequently extended to other subjects
- Implementation of Experiential Learning
- Mainstreaming Health and Physical Education
- Introduction of Art Integrated Project work

To nurture the creative learning of the learners, Competency Based Education has to be adopted. Personalized Learning, Advancement over Mastery, Measurable Explicit Competencies, Clear Learning Outcomes, Differentiated Timey Support and Meaningful Positive Assessment are the various aspects of CBE to bring competency in our children. To aid the teachers with the CBE, teacher resources, training modules and manuals are available on DIKSHA platform. He stressed that we need to move out from content based learning to competency based learning in order to achieve our target.

In Assessment and Examination Reforms, he highlighted the structure of Internal Assessment by dividing it into Pen and Paper Section, Multiple Assessment, Activities like Projects, Portfolios and Subject Enrichment activities, Competency Based Test, Change in Question Paper Design to reduce stress of students and equip them with latest skills.

He emphasized on the point that these reforms would bring about a positive change in the education system and would make children competitive and ready to lead the world. The Question-Answer Session cleared the dilemmas of the educators and furthered the new horizon of understanding. It was an informative and enriching session. The session culminated with the vote of thanks proposed by Mrs. Vandana Dhupar, Principal, Delhi Public School.

‘डॉ जोसेफ इमैनुएल के साथ एक सत्र’

भोपाल सहोदय कॉम्प्लेक्स ने 25 अगस्त 2021 को अपराह्न 3:30 बजे डॉ जोसेफ इमैनुएल, निदेशक (अकादमी), सीबीएसई के साथ ‘रीमॉडेल्ड सिलेबस / करिकुलम एंड स्पेशल स्कीम ऑफ असेसमेंट फॉर क्लास IX से XII विषय पर एक ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया। भोपाल के शिक्षकों के लिए जूम मीटिंग प्लेटफॉर्म को माध्यम बनाया गया।

सत्र की शुरुआत भगवान की प्रार्थना से हुई और उसके बाद श्री सोजन जोसेफ, **निदेशक**, भोपाल **सहोदय** कॉम्प्लेक्स द्वारा स्वागत भाषण दिया गया, जिसमें उन्होंने डॉ जोसेफ इमैनुएल, सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बच्चों के बीच रचनात्मकता और व्यवहारिकता को बढ़ाने के लिए सत्र के उद्देश्य और अवधारणा आधारित ज्ञान और सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला।

सबसे पहले, डॉ जोसेफ इमैनुएल ने सभी स्कूल मुख्यध्यापकों को उनके मूल्यवान समर्थन और कोविड –19 महामारी के दौरान शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने स्कूली शिक्षा को एक नया आयाम दिया है। शिक्षा के विस्तार से शिक्षार्थियों में अब योग्यता और क्षमता के निर्माण पर ध्यान स्थानांतरित हो गया है। अब शिक्षा **मात्रा** से अधिक गुणवत्ता में बदल गई है।

इन गुणात्मक परिवर्तनों के साथ, सीबीएसई बोर्ड मूल्यांकन पैटर्न में बदलाव के साथ आया है, जिसे डॉ इमैनुएल द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। उन्होंने उल्लेख किया कि सीबीएसई का मुख्य ध्यान शैक्षिक मानकों को निर्धारित करना है, छात्रों को 21 वीं सदी के कौशल से लैस करना, परीक्षा और मूल्यांकन प्रथाओं में सुधार लाना और छात्र केंद्रित प्रतिमानों को तैयार करके शिक्षण-सीखने के तरीकों में नवाचार करना है।

बोर्ड द्वारा परिकल्पित पाठ्यचर्या और शैक्षणिक सुधारों के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एनईपी 2020, बोर्ड द्वारा पहले ही निम्नलिखित को अपनाया गया है: –

- सीखने के परिणामों को अनिवार्य रूप से अपनाना और पाठ्यक्रम के साथ उनका मानचित्रण करना।
- प्रधानाध्यापक द्वारा वार्षिक शैक्षणिक योजनाएँ तैयार करना।
- गणित के दो स्तरों का परिचय।
- स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाते हुए प्रायोगिक शिक्षा का कार्यान्वयन।
- कला एकीकृत परियोजना कार्य का परिचय।

शिक्षार्थियों की रचनात्मक शिक्षा को पोषित करने के लिए योग्यता आधारित शिक्षा को अपनाना होगा। हमारे बच्चों में योग्यता लाने के लिए सीबीएसई के विभिन्न पहलू निजीकृत शिक्षण, मापने योग्य स्पष्ट दक्षताओं, स्पष्ट सीखने के परिणाम और सार्थक सकारात्मक मूल्यांकन हैं। शिक्षकों की सहायता के लिए शिक्षक संसाधन, प्रशिक्षण मॉड्यूल और मैनुअल दीक्षा मंच पर उपलब्ध हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामग्री आधारित शिक्षा से योग्यता आधारित शिक्षा की ओर बढ़ने की जरूरत है।

मूल्यांकन और परीक्षा सुधारों में, उन्होंने आंतरिक मूल्यांकन की संरचना को पेन और पेपर सेक्शन, मल्टीपल असेसमेंट, प्रोजेक्ट्स, पोर्टफोलियो और विषय संवर्धन गतिविधियों, योग्यता आधारित परीक्षा, छात्रों के तनाव को कम करने के लिए प्रश्न पत्र डिजाइन में परिवर्तन जैसी गतिविधियों में विभाजित करके संरचना का उल्लेख किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन सुधारों से शिक्षा में सकारात्मक बदलाव आएगा।

यह प्रणाली बच्चों को प्रतिस्पर्धा और दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार करेगी।

प्रश्न-उत्तर सत्र ने शिक्षकों की दुविधाओं को दूर किया और समझ के नए क्षितिज को आगे बढ़ाया। यह एक सूचनात्मक और समृद्ध सत्र था। सत्र का समापन दिल्ली पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती वंदना धूपर द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

श्रीमती बीनू